

35A 18576 2-4197 19 5000Rs.



30 DEC 1994

इकारनामा माहिदा बय

स्टाम्प- 354001-74401

समक्ष बिग्रेहिया जे० के० बल पुत्र श्री सेवारांम बल

निवासी केयरा ऑफ ५६ ए०पी० ओ० ----- प्रथम पक्षा।।
हाल नि० १२५८ सैक्टर २६ अरुणाचलप्रदेश नरिहा-

व

श्री रघुवंश सिंह राणा पुत्र स्व० श्री उदयवीर सिंह राणा

निवासी ही०आर्ही०बी० पी० टी० एस० मुरादाबाद ---द्वितीयपक्षा।।

जो कि सम्पूर्ण भवन संख्या बी०- १६ प्लॉटफल ४४० चार सो

चालीस वर्गगज यानि ३६७. ८४ वर्ग मीटर निम्न सीमित व

मापानुसार स्थित डिफेंस कालोनी मराना रोड भेठ शहर

नं० १०१ दिनांक २०/११/५४ ... का ... ३७५५१
 श्री ... १२५९ ... राणा ... P.T. S. मुशदाबाद
 श्री ... उकराना ...
 रो ...
 कोवाणार, मेरठ

३० वीं अक्टूबर १९५४

३०८ ३०८ ३०८ ६००
 श्री ... १२५९ ... सेवारा ...
 ३०/१२/५५

[Signature]

३०/१२/५५

इस लेख पर के निष्पत्ति ...
 श्री ... १२५९ ...
 ... ५०० ...
 ... ३७५५१ ...
 ... ३०/१२/५५ ...

[Signature]

[Signature]

[Signature]

३०/१२/५५

[Signature]



१०५५



30 DEC 1994

121

के प्रथम पक्ष व्यक्तिगत स्वामी स्वम् वास्तविक

अधिकारी हैं। उपरोक्त मकान के नीचे की भूमि

प्लॉट संख्या बी०- १६ को प्रथम पक्ष ने द्वारा

चिह्न पत्र लिखित तिथि:- ७-७-१९७० ईस्वी की

सेनिक को-ऑपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि०

घाट से क्रय किया था कि जिसकी रजिस्ट्री बनी

25

नम्बर १ जिल्द १६७९ के सुफे १७२ र० बुक नम्बर १

जिल्द १६६८ ईस्वी के सुफे ३६१ ता ३६६ मे नम्बर ४५५६

[Signature]

[Signature]

संख्या 2... विभागांक... मुख्य... शामिल सं० 1...
 से शामिल किया गया।

[Signature]
 रोजा लया
 कोयामाद, मेरठ



Attested

[Signature]
[Signature]

S.K. [unclear] [unclear]



Attested

[Signature]
[Signature]

Qano.

S.K. [unclear] [unclear]

26





30 DEC 1996

121

पर दिनांक- ३१-७-७० ईस्वी कार्यालय उप- निबन्धक

मेरठ हुई, उसके बाद प्रथम पदा ने उस पर अपनी लागत से

उपरोक्त भवन का निर्माण कराया है और उपरोक्त भवन

आज की तिथि तक प्रत्येक प्रकार के कृपा तथा भार आदि

से उद्धृण स्वम्, वैधानिक बुद्धियों स्वम्, दोनों आदि से

मुक्त तथा रहित है और प्रथम पदा को व्यक्तिगत स्वामी

होने के नाते उसके विक्रय तथा हस्तान्तरित आदि करने के

समस्त स्वामित्व स्वम् अधिकार प्राप्त हैं कोई वैधानिक बुद्धि

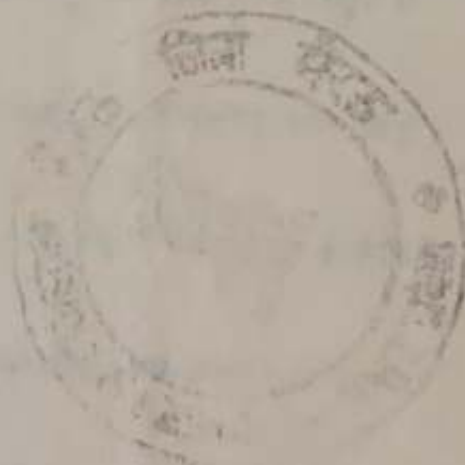
कृपा दोनों विक्रय अधिकारों में बाधक नहीं है। प्रथम पदा

27
J. Sane

K. Sane

पं० ३... विना... मूल्य ५००... वापिस सं० १...
मे शासित किया गया।

V. K. Sharma
कोषागार, मेरठ





30 DEC 1996

181

ने उपरोक्त भवन को विक्रय करने का सौदा द्वितीय

पक्ष से अंश ६००००० रु: लाख रुपये में तय कर लिया

है और कुल विक्रय मूल्य के मध्ये अंश ५०००० पक्ष

हजार रुपये प्रथम पक्ष ने द्वितीयपक्ष से द्वारा एक

फिला बैंक ड्राफ्ट नम्बर ४१०५५७ दिनांक- २५-११-९४

ईसी मोरुमा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सब रजिस्ट्रार

महोदय के ठ के समक्ष प्राप्त कर लिया है अतः उभय पक्ष

निम्न नियमों के बाध्य होते हैं:-

१- यह कि द्वितीयपक्ष उपरोक्त भवन का विक्रय पत्र प्रथमपक्ष

[Signature]

[Signature]

पृष्ठ ५ ... दिनांक ३०/११/३४ ... सामिल सं० १ ...
से प्रमाणित किया गया।

११/३०/३४
रि.क.मि.वा.
कोयलार, देरड





30 DEC 1996

151

से आज की तिथि से १५ पन्द्रह मार्च सन उन्नीस

सौ पिच्चावह ईस्वी तक अपने या अपने नामवदा

या नामवदगान के हक में निष्पादित कराकर रजिस्टरी

करा लें और अवशेष रकम विक्रय पत्र की रजिस्टरी के

समय द्वितीयपक्ष प्रथम पक्ष को चुक्ता कर दें। लेकिन

28

इस दौरान इजाजत फरोखती सचाम प्राधिकारी मेरठ

से तथा आयकर प्रमाण पत्रआयकर विभाग से प्राप्त करने

की जिम्मेदारी प्रथम पक्ष की रहेगी।

[Signature]

[Signature]

क्र. ०५०५... विनीत... प्राप्त... प्राप्त सं ०५०५
से प्राप्त किया गया।

३०/११/१५
कोषागार, मेरठ





141

30 DEC 1994

२- यह कि विक्रय पत्र से सम्बन्धित समस्त सर्वा

सहीद स्टाम्प व फीस रजिस्टरी बनाया सब

द्वितीयपक्ष के विम्वे रहेगा।

३- यह कि यदि उपरोक्त अवधि के अन्दर अन्दर प्रथमपक्ष

उपरोक्त मूलन का विक्रयपत्र निष्पादित करके रजिस्टरी

करने में कोई सीला बहाना या आपत्ति करें तो

द्वितीयपक्ष को विक्रय पत्र न्यायालय की व्यवस्था के

द्वारा निष्पादित कराकर रजिस्टरी करा लेने का

अधिकार रहेगा और सेती दशा में न्यायालय का समस्त

[Signature]

[Signature]

पत्र सं० ६ दिनांक २०/०५/२००६ मूल्य २००/- शामिल सं० १
 मे शामिल किया गया है।
 कोषागार, मेरठ





101

20 DEC 1994

तर्जा प्रथम पक्षा के जिम्मे रहेगा । प्रथम पक्षा को कोई

आपत्ति न होगी।

४- यह कि यदि उपरोक्त अवधि के भीतर भीतर द्वितीय

पक्षा उपरोक्त मकान का विक्रय पत्र निष्पादित कराकर

रजिस्टरी कराने तथा अवशेष घनराशि चुकता करने में असमर्थ

रहें तो प्रथम पक्षा बाद देने नोटिस मियादी एक माह

रजिस्टरी शुदा अग्रिम धन अर्पण कर लेंगे । द्वितीयपक्षा को

कोई आपत्ति न होगी।

21

पं० सं० ११... दिनांक २०/११/५... मूल्य ५००/- शामिल सं० १...
मे शामिल किया गया।

[Signature]
रजिस्ट्रार
क. आ. गिरा, २०४





30 DEC 1994

151

५- यह कि विक्रय पत्र की रजिस्ट्री के समय प्रथम पक्ष

साली मवन का अधिपत्य द्वितीयपक्ष को प्रदान करेंगे ।

६- यह कि उभय पक्ष तथा उनके उत्तराधिकारीगण

उपरोक्त नियमों के बाध्य रहें किसी को कोई आपत्ति

न होगी। अतः यह प्रतिज्ञा-पत्र विक्रय लिख दिया कि

प्रमाणित तथा उपयोगी हो और समय पर काम आवे ।

32

हति ।।

क्र.सं. ९८... दिनांक २०/११/१८... मूल्य १००/- शामिल सं. १...
में शामिल किया गया।

१८/११/१८
रीकॉर्डिंग
कोषागार, मेरठ





181

20 DEC 1994

माप व सीमाये उपरोक्त भवन जिसको

विक्रय करने का सोदा किया गया ।

पूरव:- ६० फिट । प्लॉट नम्बर बी०- १७ ।

पश्चिम- ६० फिट । प्लॉट नम्बर बी०- १५।

23

उत्तर:- ४४ फिट । सर्विस लेन तथा बाउन्डरी।

[Signature]

[Signature]

क.सं.०१... दिनांक 30/12/14 पू. 1000/1 वासिष्ठ सं. 1
ये वासिष्ठ विद्या गवतः।

५/30/12/14
र. क. विद्या
प्र. क. विद्या, मेरठ





1801

30 DEC 1906

वर्णन:- ४४ फिट। ४० चालीस फिट चौड़ी रोड।

[Signature]

[Signature]

[Signature]
(NANBIR SINGH)
80 SHR UDAIBHAN SINGH) 90 SHRI RP PALIWAL
C-87 Radha Garden F 42 MEENAKSHI PURAM
Madan Lal Meenakshi
Meerut.

[Signature]
(GIRISH KUMAR PALIWAL)

34

दिनांक:- ३०-१२-१९९४ ईस्वी मसविदा श्री सुशील कुमार गोयल
वकील नवीस मेरठ व टा. श्यामलाल सिंह।

[Signature]

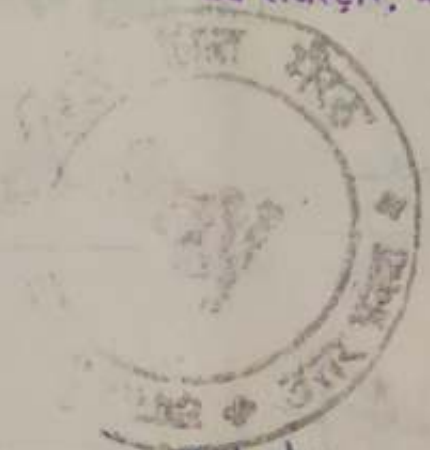
[Signature]

क्र.सं. ०/० दिनांक ३०/१२/९४ मूल्य ६०/- शामिल सं. १
 में शामिल किया गया।
 रोकथाम
 सीमांतार, मेरठ

आज दिनांक को फोटोस्टेट
 प्रति पृष्ठ खण्ड
 के पृष्ठ पर क्रम में हवा
 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

37400
 45010
82410

सब रजिस्ट्रार, मेरठ-1



आज दिनांक ३०/१२/९४ को फोटोस्टेट
 प्रति पृष्ठ २ २/१०/१५
 के पृष्ठ ३३३/५०६ १/२० ५१९६

इसका हवा में रजिस्ट्रीकृत किया गया। P.P. 305/8/3/95
 दिनांक 27/3/95 में सम्मिलित।
 निदेशिका
 श्री. ए. ई.